विमलेश चन्द्र

जल की रोचक दुनिया

1. वयस्क व्यक्ति के शरीर में 70% पानी होता है।
2. जन्म के समय बच्चे के पूरे वजन का 80% भाग पानी होता है।
3. एक वयस्क व्यक्ति प्रतिदिन औसतन 100 गैलन पानी उपयोग में लाता है।

फल व सब्जियों में जल की मात्रा

4. शुद्ध जल का pH मान 7 होता है जो न तो एसिड है और न ही क्षार।
5. पृथ्वी पर 75% भाग पानी है।
6. भू-सतह की अपेक्षा भूमिगत जल काफी साफ होता है।
7. पानी में ज्यादातर पदार्थ घुल जाते हैं।
8. पृथ्वी पर जितना पानी है उसका 3% भाग ही उपयोगी है।
9. जब आदमी के शरीर में 1% पानी कम हो जाता है तब उसे प्यास लगती है।
10. शुद्ध जल का न तो स्वाद होता है, न रंग होता है और न ही उसमें कोई गंध होता है।
11. पृथ्वी पर सबसे ज्यादा मात्रा में खारा पानी पाया जाता है।
12. पानी की तुलना में बर्फ 9% हल्का होता है।
13. प्रति वर्ष पानी की बीमारी से 40 लाख लोग मरते हैं।
14. पानी 0^0 सेंटीग्रेड पर जम जाता है तथा 100^0C पर उबलने लगता है।
15. एक बार जब पानी भाप में बदल जाता है तब भाप के कण 10 दिनों तक वायुमंडल में रहते हैं।
16. सबसे ज्यादा पानी टमाटर में (90%), मक्का तथा पपीता में 80% तथा पेड़ में 70% होता है।

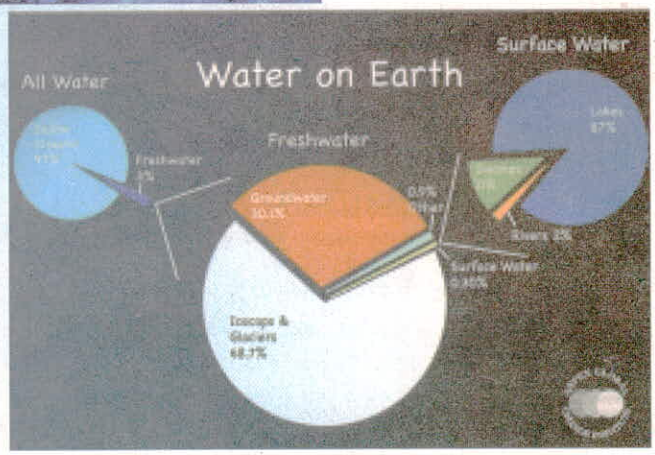

पृथ्वी पर पानी की उपलब्धता

शुद्ध जल का न कोई रंग है ना कोई स्वाद

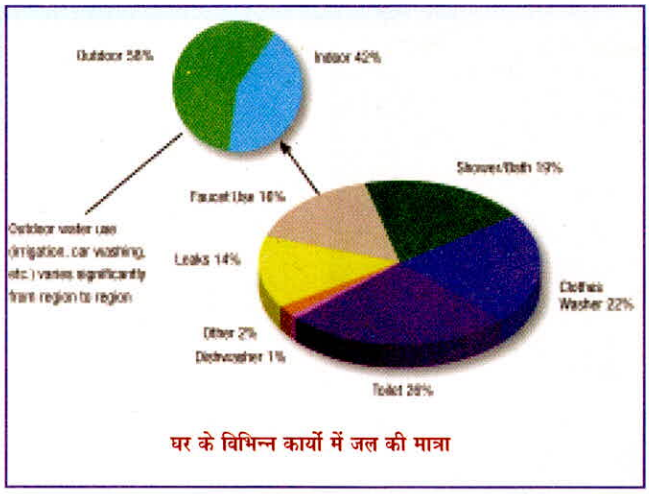

घर के विभिन्न कार्यों में जल की मात्रा

17. घर में कुल पानी का 74% भाग बाथरूम में, 21% धुलाई में तथा 5% रसोईघर में उपयोग होता है।
18. प्रकृति के पदार्थों में से पानी ही ऐसा है जो ठोस (बर्फ), द्रव (पानी), तथा गैस (भाप, पानी वाष्प) तीनों रूपों में पाया जाता है।
19. पृथ्वी के कुल पानी का 97% खारा पानी, 03% सादा-ताजा पानी होता है। इस तीन प्रतिशत में केवल 01% पानी पीने योग्य होता है। यह शुद्ध पानी ग्लेशियर तथा बर्फ के चट्टानों से आता है।
20. हम बिना खाए एक माह तक जीवित रह सकते हैं, किन्तु बिना पानी पिये मात्र 5 से 7 दिनों तक ही जीवित रह सकते हैं।

संपर्क सूत्र :
श्री विमलेश चन्द्र, सहायक मंडल याँत्रिक इंजीनियर, रेलवे क्वॉटर सं. : 202/सी, प्रतापनगर रेलवे कालोनी, पोस्ट - प्रतापनगर, शहर - वड़ोदरा - 390004 (गुजरात)
[मो. : 9879978538]

जल ही जीवन है

विमलेश चन्द्र

जल ही जीवन है।
जल ही सावन है।
जल ही पावन है।
जल ही उपवन है।

जल के बिना जीवन असंभव है।
जल के बिना विकास असंभव है।
जल के बिना विकास प्रकृति अधूरी है।
जल के बिना दुनिया दुखियारी है।

जल है तो हम सब हैं।
जल है तो जीव जन्तु हैं।
जल है तो सृष्टि है।
जल है तो जीवन है।

जल की बचत करें।
जल का सदुपयोग करें।
जल को संचित करें।
जल को संरक्षित करें।

जल को प्रदूषित होने से बचाएं।
जल को बर्बाद होने से बचाएं।
जल को गंदा होने से बचाएं।
जल को खतरनाक होने से बचाएं।

जल में कूड़ा-कचरा न डालें।
जल में खतरनाक द्रव न डालें।
जल में हानिकारक रसायन न डालें।
जल में शहर की गंदगी न डालें।

जल के बिना हम नहीं होंगे।
जल के बिना परिवार नहीं होगा।
जल के बिना देश नहीं होगा।
जल के बिना दुनिया नहीं होगी।

प्यासे को जल चाहिए।
प्रकृति को जल चाहिए।
पेड़-पौधों को जल चाहिए।
हम सबको जल चाहिए।
कृपया जल को बचाइए
और सदैव मुस्कुराइए।

जल बनाम सच्चा मित्र

दोनों का रंग नहीं होता,
दोनों का आकार नहीं होता,
दोनों का स्थान नहीं होता,
दोनों का स्वाद नहीं होता,

लेकिन.....
दोनों का जीवन में बहुत ही महत्व है।
और दोनों ही जीवन के लिए
अत्यन्त आवश्यक हैं।

जल की कहानी

जल ही तो जीवन है,
पानी है गुणों की खान,
पानी ही तो सब कुछ है,
पानी है धरती की शान।
पर्यावरण को न बचाया गया,
तो वो दिन जल्द ही आएगा,
जब धरती पर हर इंसान,
बस 'पानी-पानी' ही चिल्लाएगा।
रूपये-पैसे, धन और दौलत,
कुछ भी काम न आएगा,
यदि इंसान इसी तरह,
पानी को व्यर्थ बहाएगा।
आने वाली पुश्तों का,
कुछ तो हम करें ख्याल,
पानी के बगैर भविष्य,
भला कैसे होगा खुशहाल।
बच्चें-बूढ़े और जवान,
पानी को बचाएं बने महान,
अब तो जाग जाओ इंसान,
जल में बसते है प्राण।।

योगेश चन्द्र जोशी
राज.सं., रूड़की